।। श्री महावीराय नमः।।

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

१७ जुलाई २०२२ – महिला मंडल **श्रेणी - १** **कुल गुण : १००**

(५०)

प्र. १ (क) नीचेना पाठनी पूर्ति करो। **(२४)**

१. पयाहिणं ..... देवयं २. न फासियं ..... न भवई ३. अभग्गो ..... णमोक्कारेणं
४. तित्थयराणं ..... गंध हत्थीणं ५. जिणे ..... वंदे ६. ओसा ..... जे मे जीवा
७. तिन्नाणं ..... सव्व दरिसीणं ८. सामाइयं ..... दुविहं

(ख) नीचेना शब्दोना गुजरातीमां अर्थ लखो। **(८)**

१. चेइयं २. आगारेहिं ३. नमो उवज्झायाणं ४. संकामिया
५. निग्घायणट्ठाए ६. वंदामि ७. बीयक्कमणे ८. अप्पाणं

(ग) नीचेना शब्दोना मूळ पाठ लखो। **(८)**

१. रहित कर्या होय २. दृष्टिना संचारथी ३. आचार्य भगवंतोने नमस्कार हो
४. सन्मान आपुं छुं ५. पापथी निवृत्त थवाने ६. त्यां सुधी
७. धूळ आदिथी ढांक्या होय ८. आपनी सेवा भक्ति करुं छुं

(घ) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। **(१०)**

१. साधु-साध्वीजीमां कया कया गुणो होय?
२. नमस्कार सूत्रमां कोने नमस्कार करवाना छे? पहेलो शब्द नमो शुं समजावे छे?
३. गुरुवंदना केटला प्रकारे थाय छे? जघन्य वंदना क्यारे कराय?
४. भगवानने अने गुरुजीने वंदना करीने शुं करवुं? शुद्ध भावथी वंदन करवानुं फळ कोने मळ्युं? गुरु प्रत्ये शुं प्रगट थाय छे?
५. आचार्य कोने कहे छे? उपाध्याय केटला आगम भणावे? तेमना गुण केटला?

(१५)

प्र. २ माग्या प्रमाणे जवाब लखो।

१. तीर्थंकर - ७ अने २१ २. गणधर - २ अने ९ ३. श्रावक - १ अने ६
४. सती - ४ अने १५ ५. आपणो धर्म कयो छे? ६. कर्म - ३ अने ५
७. तत्त्व - ५ अने ८ ८. छ कायना गोत्रना नाम - २ अने ३

(१५)

प्र. ३ (क) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। **(१०)**

१. विनय धर्मनी प्राप्ति माटे कोने नित्य वंदन करवा जोईए?
२. माता-पिताना कया उपकारनो बदलो वाळी शकाय नहि?
३. रात्रिभोजन त्यागथी शुं लाभ थाय छे?
४. जैनशाळामां शुं शीखववामां आवे छे? तेनुं ज्ञान मेळवीने भविष्यमां केवा बनी शकाय छे?
५. गुच्छानो उपयोग शेना माटे कराय छे?

६. उत्तम दान कया कया छे?
७. गुणीजनोने नमस्कार करवाथी शुं लाभ थाय छे?
८. माळामां केटला पारा होय छे? माळा शा माटे गणवी जोईए?
९. बीजानुं धन जोवाथी शुं नुकसान थाय छे?
१०. जैनशाळामां जवाथी कया गुणोनी वृद्धि थाय छे?

(ख) खाली जग्या पूरो। **(५)**

१. ..... करी समजण केळववाथी मनने जीताय छे।
२. ..... प्राय: लाकडानी बनेली होय छे।
३. शिक्षकनी ..... सहन करजो।
४. जमता पहेला हुं ..... नी भावना भावीश।
५. धर्म जीवने ..... मां पडता अटकावे छे।

(१०)

प्र. ४ वार्तानां आधारे नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो।

(क) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। **(६)**

१. माता-पिताना मृत्यु पछी महावीर स्वामीए शुं संक्ल्प कर्यो? एक वर्ष सुधी रोज केटलुं दान आपता हता? (२×३)
२. आगमां प्रवेशता अमरकुमारे शेनो सहारो लीधो? श्रेणिक राजानुं शुं थयुं? बची गया पछी अमरकुमारे शुं कर्युं?
३. भगवान महावीरे साधुओने अतिमुक्त मुनि विशे शुं कह्युं?

(ख) कोण बोले छे कोने कहे छे? **(४)**

१. तमने दीक्षा अने संयम एटले शुं ते न समजाय।
२. हवे तुं समज अने क्रोध करवानुं छोडी दे।
३. मने राजा पर जरा पण क्रोध नथी आव्यो।
४. आत्मक्ल्याण करवा माटे में दीक्षा ग्रहण करी छे।

(१०)

प्र. ५ नीचेना काव्यनी पूर्ति करो।

१. श्रद्धा भरी..... जन्म्या छे।
२ हसता रमता ..... मुक्ति वरीए।
३. धरी चारित्र ..... ज्ञानना दाने।
४. जूठुं नहि ..... जय जिनेन्द्र बोलीए।
५. धर्म माटे शुं कुरबान छे? ते दर्शावती कडी लखो।

जय जिनेन्द्र